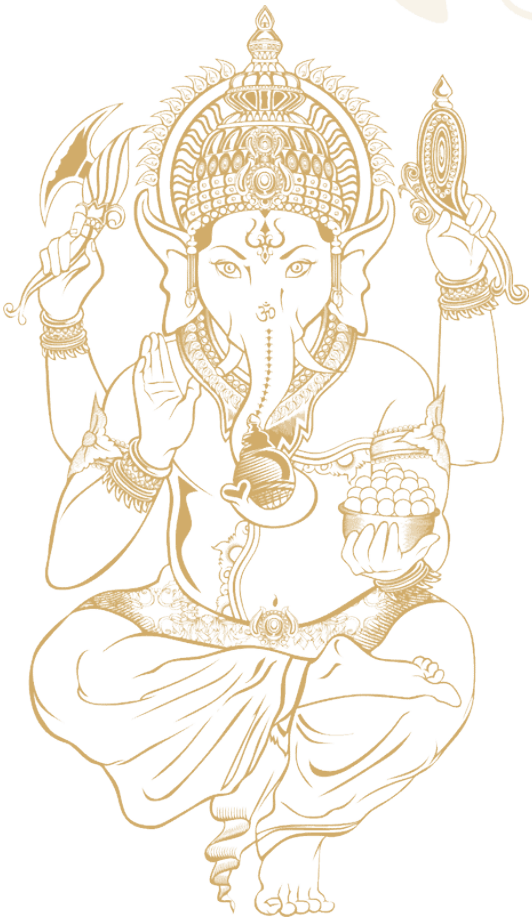

Chi.Prabhakar

Ku.Hanny

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120685101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120685101 Date: 24/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/05/1994	जन्म तिथि	16/06/1999
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 23:45:00	जन्म समय	20:06:00 घंटे
घटी 45:38:52	जन्म समय(घटी)	36:50:54 घटी
India	देश	India
Bhind	स्थान	Gwalior
26:33:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:47:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:27	सूर्योदय	05:24:57
18:53:21	सूर्यास्त	19:11:00
23:46:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:46
मकर	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मिथुन	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
मृगशिरा	नक्षत्र	पुष्य
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शनि
3	चरण	3
सुकर्मा	योग	व्याघात
गर	करण	वणिज
का-कमल	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	मेष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 1मा 27दि		07:22:35	मक	लग्न	धनु	14:48:41	शनि 9वर्ष 5मा 26दि	
गुरु		28:58:08	मेष	सूर्य	मिथु	01:10:22	केतु	
11/07/2014		02:33:09	मिथु	चंद्र	कर्क	10:00:27	12/12/2025	
11/07/2030		28:31:43	मीन	मंगल	तुला	01:33:54	11/12/2032	
गुरु	28/08/2016	13:53:17	वृष	बुध	मिथु	22:55:26	केतु	10/05/2026
शनि	11/03/2019	14:19:43	तुला व	गुरु	मेष	04:09:01	शुक्र	10/07/2027
बुध	16/06/2021	27:26:00	वृष	शुक्र	कर्क	16:25:42	सूर्य	15/11/2027
केतु	23/05/2022	17:18:26	कुंभ	शनि	मेष	18:56:59	चन्द्र	15/06/2028
शुक्र	21/01/2025	00:00:18	वृश्चि	राहु व	कर्क	20:06:07	मंगल	11/11/2028
सूर्य	09/11/2025	00:00:18	वृष	केतु व	मक	20:06:07	राहु	29/11/2029
चन्द्र	11/03/2027	02:29:37	मक व	हर्ष व	मक	22:41:14	गुरु	05/11/2030
मंगल	15/02/2028	29:28:43	धनु व	नेप व	मक	10:06:14	शनि	15/12/2031
राहु	11/07/2030	03:01:30	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:50:28	बुध	11/12/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:55 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:46

लग्न-चलित

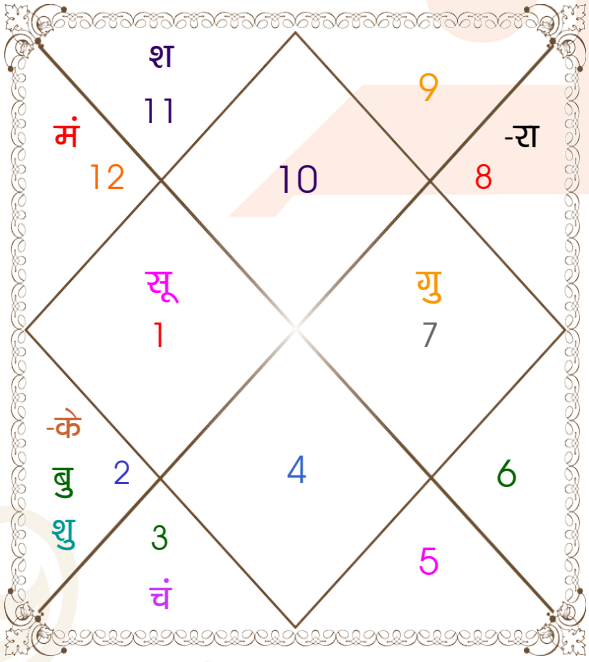

लग्न-चलित

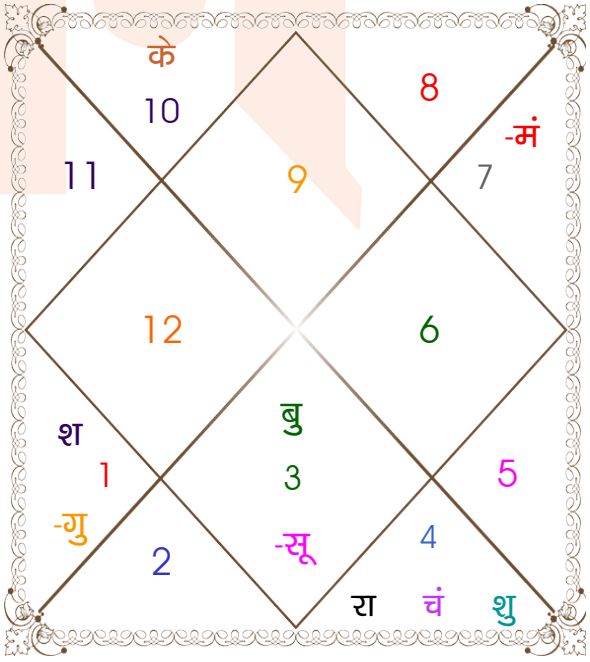

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.50		

कुल : **11.5 / 36**

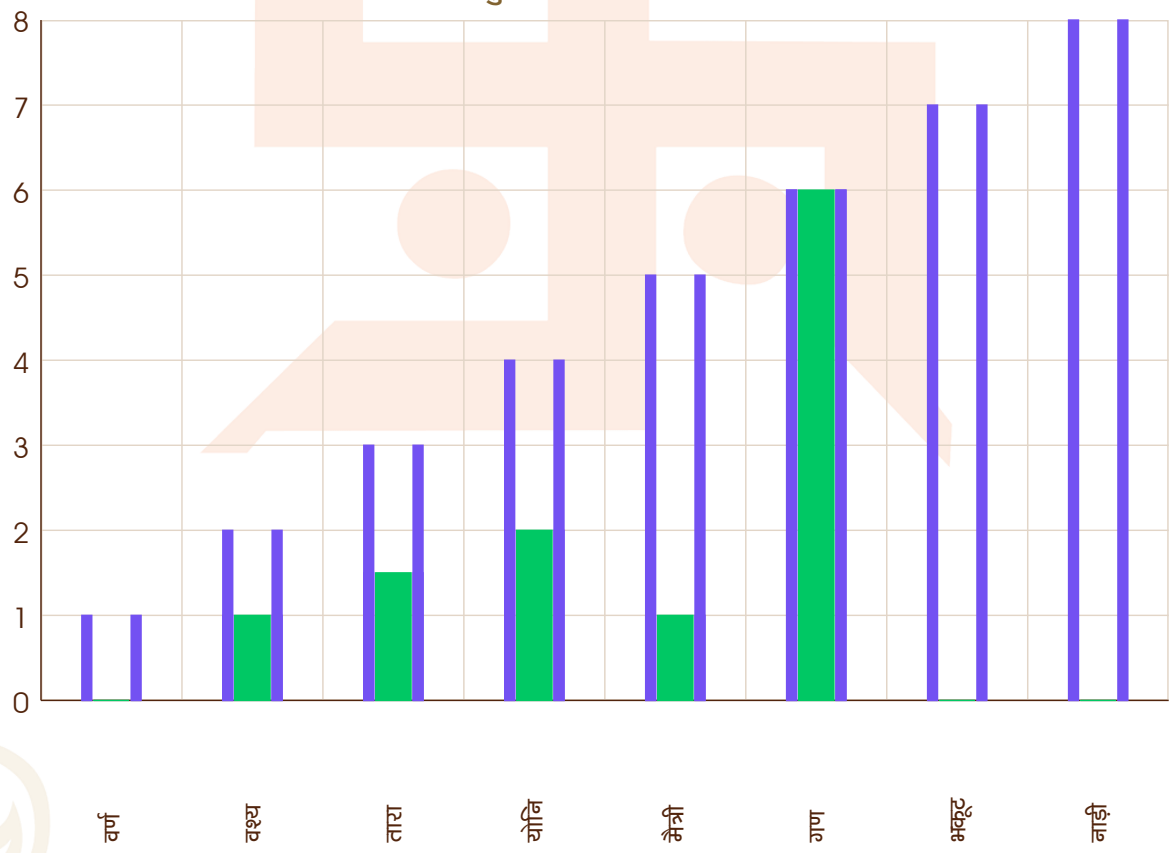

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Chi.Prabhakar का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ku.Hanny का नक्षत्र पुष्य है।

Chi.Prabhakar का वर्ग मार्जार है तथा Ku.Hanny का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chi.Prabhakar और Ku.Hanny का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Chi.Prabhakar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ku.Hanny मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Chi.Prabhakar तथा Ku.Hanny में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Chi.Prabhakar का वर्ण शूद्र है तथा Ku.Hanny का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ku.Hanny का वर्ण Chi.Prabhakar के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ku.Hanny हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Chi.Prabhakar के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Chi.Prabhakar का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ku.Hanny का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Chi.Prabhakar एवं Ku.Hanny दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Chi.Prabhakar Ku.Hanny पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Chi.Prabhakar हमेश Ku.Hanny के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Chi.Prabhakar की तारा वध तथा Ku.Hanny की तारा क्षेम है। Chi.Prabhakar की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Chi.Prabhakar बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Chi.Prabhakar को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ku.Hanny लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Chi.Prabhakar की योनि सर्प है तथा Ku.Hanny की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Chi.Prabhakar से Ku.Hanny का राशि स्वामी शत्रु है। परन्तु Ku.Hanny से Chi.Prabhakar का राशि स्वामी मित्र है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में Chi.Prabhakar का राशि स्वामी Ku.Hanny के राशि स्वामी को शत्रु समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में Chi.Prabhakar उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकता है जिसके कारण वह अपनी पत्नी से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगा तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी। जबकि इसके विपरीत कन्या, Chi.Prabhakar को खूब प्यार करने वाली तथा ख्याल रखने वाली होंगी।

गण

Chi.Prabhakar का गण देव तथा Ku.Hanny का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Chi.Prabhakar से Ku.Hanny की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ku.Hanny से Chi.Prabhakar की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Chi.Prabhakar गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ku.Hanny समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Chi.Prabhakar शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Chi.Prabhakar की नाड़ी मध्य है तथा Ku.Hanny की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Chi.Prabhakar एवं Ku.Hanny का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Chi.Prabhakar की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Ku.Hanny की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में परस्पर शत्रुता तथा असमानता का भाव होता है अतः इसके प्रभाव से Chi.Prabhakar एवं Ku.Hanny के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेगी जिससे दाम्पत्य सुख में व्यवधान रहेगा अतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Chi.Prabhakar का राशि स्वामी बुध तथा Ku.Hanny का राशि स्वामी चन्द्र परस्पर मित्र एवं शत्रु क्षेत्री है। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से दोनों के सिद्धातों तथा जीवन के मूल्यों में अंतर रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा दोषों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे परस्पर असहमति एवं तनाव का वातावरण होगा। अतः आपस में सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही किंचित अनुकूलता प्राप्त हो सकती है।

Chi.Prabhakar और Ku.Hanny की राशियां एक दूसरे से द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। यह प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से Chi.Prabhakar और Ku.Hanny के मध्य मानसिक भ्रातियों की उत्पति होगी जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। Ku.Hanny की प्रवृति आंतरिक तथा भावनात्मक असुरक्षा की भावना से युक्त रहेगी परन्तु Chi.Prabhakar इस विषय में उन्हें भी किसी विशेष प्रकार का सहयोग नहीं देंगे फलतः दाम्पत्य सुख की मधुरता में न्यूनता आएगी।

Chi.Prabhakar का वश्य मानव तथा Ku.Hanny का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर वश्य की परस्पर शत्रुता एवं असमानता होती है। अतः इसके प्रभाव से Chi.Prabhakar और Ku.Hanny की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता में भिन्नता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने में असमर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन प्रभावित होगा।

Chi.Prabhakar का वर्ण शूद्र एवं Ku.Hanny का वर्ण ब्राहमण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भी असमानता रहेगी। Chi.Prabhakar किसी भी कार्य को परिश्रम एवं गंभीरता से सम्पन्न करेंगे जबकि Ku.Hanny को शैक्षिणिक एवं धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रहेगी। अतः इस असमानता से भी दाम्पत्य जीवन प्रभावित रहेगा।

धन

Chi.Prabhakar और Ku.Hanny की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Chi.Prabhakar और Ku.Hanny समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ku.Hanny की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Chi.Prabhakar भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Chi.Prabhakar और Ku.Hanny को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Chi.Prabhakar और Ku.Hanny दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे Chi.Prabhakar और Ku.Hanny दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से Chi.Prabhakar को धातु संबंधी तथा Ku.Hanny को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Chi.Prabhakar और Ku.Hanny का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Chi.Prabhakar और Ku.Hanny को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Chi.Prabhakar और Ku.Hanny के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ku.Hanny का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ku.Hanny के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ku.Hanny सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Chi.Prabhakar और Ku.Hanny को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Chi.Prabhakar और Ku.Hanny का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ku.Hanny के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ku.Hanny भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ku.Hanny भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ku.Hanny को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Chi.Prabhakar के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Chi.Prabhakar अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Chi.Prabhakar के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Chi.Prabhakar के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।